भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **314** जिसका उत्तर

मंगलवार, 21 जुलाई, 2026 (30 आषाढ़, 1948 (शक)) को दिया जाना है

एनडब्ल्यु-1 के अंतर्गत जल मार्ग विकास परियोजना

314 # श्री नीरज डांगी:

क्या **पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा गंगा नदी पर राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के अंतर्गत जल मार्ग विकास परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है;

(ख) यदि हाँ, तो परियोजना की वर्तमान प्रगति क्या है तथा अब तक कितना व्यय किया गया है;

(ग) इस परियोजना से प्रतिवर्ष प्राप्त की जाने वाली अनुमानित माल परिवहन क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस परियोजना के अंतर्गत विकसित मल्टी-मॉडल टर्मिनलों एवं अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं का ब्यौरा उपलब्ध है; और

(ङ) क्या सरकार ने इस परियोजना से जुड़े रोजगार सृजन एवं माल परिवहन लागत में कमी के संबंध में कोई अध्ययन कराया है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत संगठन भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, रा.ज.-1, हल्दिया से वाराणसी तक 1390 किलोमीटर लंबे जलखंड की क्षमता संवर्धन के लिए राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (गंगा-भागीरथी-हुगली नदियाँ) पर जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) को लागू कर रहा है। इस परियोजना ने जून,

2026 तक 83.72% की वास्तविक प्रगति और 4,193.22 करोड़ रुपये का व्यय प्राप्त किया है।

(ग): जेएमवीपी के अंतर्गत निर्मित तीन मल्टीमॉडल टर्मिनलों और एक इंटरमॉडल टर्मिनल के माध्यम से इस परियोजना के द्वारा 7.37 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) और 77,000 टीईयू (ट्वेंटी-फुट समकक्ष यूनिट) अनुमानित वार्षिक कार्गो हैंडलिंग क्षमता प्राप्त किए जाने का अनुमान है। इसके अलावा, 66 सामुदायिक जेट्टी भी स्थापित किए गए हैं जिनका उपयोग यात्री/क्रूज और स्थानीय माल परिवहन के लिए किया जा रहा है।

(घ): जेएमवीपी के तहत विकसित मल्टी-मोडल टर्मिनलों और अन्य अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ङ): अभी तक ऐसा कोई अध्ययन नहीं किया गया है। हालांकि, आईडब्ल्यूएआई ने रोजगार सृजन और एमएसएमई के विकास पर जेएमवीपी के प्रभाव का आकलन करने का निर्णय लिया है।

“रा.ज.-1 के अंतर्गत जल मार्ग विकास परियोजना” के संबंध में श्री नीरज डांगी, माननीय सांसद द्वारा दिनांक 21/07/2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 314 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।

जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) के अंतर्गत विकसित प्रमुख अवसंरचना सुविधाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

i. मल्टी मॉडल टर्मिनल (एमएमटी) वाराणसी - क्षमता 1.26 एमएमटीपीए
ii. एमएमटी साहिबगंज - क्षमता 3.03 एमएमटीपीए
iii. एमएमटी हल्दिया - क्षमता 3.08 एमएमटीपीए
iv. इंटर मॉडल टर्मिनल (आईएमटी) कालूघाट - क्षमता 77,000 टीईयू।
v. फरक्का में नया नौचालनात्मक लॉक
vi. 66 सामुदायिक जेट्टी (उत्तर प्रदेश-15, बिहार-24, झारखंड-2 और पश्चिम बंगाल - 25)
vii. 2 त्वरित पोंटून ओपनिंग मैकेनिज्म (क्यूपीओएम)-1 क्यूपीओएम प्रत्येक मौजमपुर, बिहार में और 1 नौरंगा, उत्तर प्रदेश में तैनात किया गया है।
viii. 4 रो-रो टर्मिनल।

*****